

प्रसाचारण

EXTRAORDINARY

भाग बिष्य [

PART I-Section 1

वाविकार से प्रकासिक

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 70]

नई विस्सी, बुबबार, धप्रैल 22, 1970/बैशास 2, 1892

No. 70] | New Driff, WEDNESDAY, APRIL 22, 1970/VAISAKA 2, 1892

इस भाव में भिन्न पुष्ठ संबया थी जाती है जिसते कि यह धलग संकलन के कप में रका जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

RESOLUTION

New Delhi, the 21st April 1970

No. 3(1)/69-P&P.—Under their Resolution No. 3(1)/68-P&P dated the 18th August, 1969 the erstwhile Ministry of Foreign Trade and Supply had notified the revised terms of reference, constitution, etc. of the Board of Trade which was initially constituted for a period of two years from 1st January, 1968 vide Resolution No. 3(1)/67-BOT dated the 13th January, 1968. Since the present tenure of the Board ended on the 31st December, 1969, the Government of India have decided to reconstitute it for a further period of two years effective from 1st January, 1970.

The terms of reference, constitution etc. of the new Board of Trade will be as under-

2. Constitution.—The Board of Trade will be a compact body consisting of about 37 members as shown in the Schedule Annexed. It will be presided over by the Minister of Foreign Trade and in his absence by the Deputy Minister of Foreign Trade. The Secretary, Ministry of Foreign Trade will function as its Executive Vice-Chairman.

The Board of Trade will have two Secretaries viz. (1) Joint Secretary, Export Promotion, Ministry of Foreign Trade and (2) The Chief Controller of Imports and Exports. The Secretaries of the Board will be assisted in the discharge of their

duties by the Director/Deputy Secretary, in charge of the Policy and Planning Section of the Ministry of Foreign Trade.

Members of the Board will hold office for two years at the end of which it will be reconstituted. The present tenure of the Board will expire on 31st December 1971.

- 3. Terms of Reference.—The Board will concern itself mainly with problems and policies relating to the development of country's Foreign Trade and make recommendations to Government from time to time, with particular reference to:—
 - (i) expansion of production bearing on import savings and export earnings;
 - (ii) product development and adaptation with a view to the expansion of overseas sales;
 - (iii) improvements in export marketing mechanism and media, including the extension of State Trading; and
 - (iv) provision of commercial services for the benefit of the commercial community with special regard to export programme.
- 4. The Board shall have powers to co-opt members, not exceeding five, for stated periods. The Chairman of the Board may also invite (specially) to the meetings of the Board such other persons as may be considered necessary from time to time.
- 5. The headquarters of the Board will be in New Delhi; they may meet at any place in India.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to the Chairman, Deputy Chairman, Members of the Board of Trade, the Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Secretariat, the Planning Commission, all Ministries of the Government of India and all the State Governments in India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SCHEDULE.

Members of the Board of Trade

Minister of Foreign Trade-Chairman

Deputy Minister of Foreign Trade—Deputy Chairman

Secretary, Ministry of Foreign Trade-Executive Vice-Chairman

II. Members of Parliament:

Shri P. K. Vasudevan Nair.

Shri R. P. Khaitan.

III. Representatives of Commercial and Industrial Organisations: Ex-Officio.

President, Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry—Shri D. C. Kothari.

President, Associated Chamber of Commerce and Industry of India-Shri K Mahindra,

Chairman, Federation of Indian Export Organisations—Shri P. A. Nairelwala President, Indian Banks Association, Bombay—Shri R. B. Shah,

President, Indian National Steamship Owners Association, Bombay—Shri Vasan J. Sheth.

President, Travel Agents Association of India-Shri Arvind N. Parikh.

Director General of National Council of Applied Economic Research—Shri & Bhoothalingam.

IV. Representatives of Public Sector Trading Organisations: Ex-Officio.

Chairman, State Trading Corporation-Shri P. L. Tandon.

Chairman, Minerals and Metals Trading Corporation—Shri R. R. Bahl.

Chairman, National Industrial Corporation-Shri K. B. Rao.

V. Non-Official Members:

Shri Birla, K. K.

Shri Charat Ram.

Shri Goenka, R. P.

Shri Jajodia, K. K.

Shri Kirloskar, S. L.

Shri Modi, K. N.

Shri Mohd. Yusuf.

Shri Moolgackar, 5.

Shri Mammen Mappillai, K. M.

Shri Ramanulam, G.

Shri Rasesh N. Mafatlal.

Shri Santokh Singh.

Shri Santosh Kanoria.

VI. Representative of Reserve Bank of India, Bombay: Ex-Officio.

Deputy Governor, Reserve Bank of India, Bombay-Shri B. N. Adarkar.

VII. Official representatives: Ex-Officio.

Secretary, Department of Agriculture, Ministry of Food and Agriculture—Shri T. P. Singh.

Secretary, Department of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs—Shri T. Swaminathan.

Secretary, Ministry of Steel and Heavy Engineering-Shri R. C. Dutt.

Secretary, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance—Dr. I. G. Patel.

Secretary, Planning Commission-Shri A. Mitra.

Additional Secretary. Ministry of Foreign Trade—Shri C. S. Ramachandran. Director General of Public Enterprises, Ministry of Finance—Shri A. N. Banerji.

Secretaries

Joint Secretary, Export Promotion, Ministry of Foreign Trade—Shri A. C. Banerjee.

Chief Controller of Imports and Exports-Shri R. J. Rebello.

A. C. BANERJEE, Jt. Secy.

विदेशी भ्यापार मंत्रालय

बंकस्य 🖟

नई दिल्ली 21 धर्मेल 1970

सं3(1)/69 पी॰ एष्ड पी॰.— अपने संकल्प सं॰ 3(1)/68-पी॰ एष० पी॰, दिनांक 18 अगस्त, 1969 के अन्तर्गत भृतपूर्व विदेशी ज्यापार तथा आपूर्ति मंत्रालय में, ज्यापार बोर्ड के, जिसे संकल्प सं० 3(1)/67-पी॰ भी॰ टी॰, विनांक 13 जनवरी, 1968 के द्वारा प्रारम्भ में 1 जनवरी, 1968 से दो वर्ष के लिए गठित किया गया था, संशोधित विचाराई-विशय, गठन आदि को अनुस्थित विदाया था। चंकि विदेश दसेमान कार्यकाल 31 दिसम्बर, 1969 को समापत हो चुका है, अतः भारत

सरकार ने 1 अनयरी, 1970 से दो वर्ष की भीर भवधि के लिए इसे पुनर्नेटित करने का विनिश्चय किया है।

नये क्यापार बोड के विचारार्थ विषय, गठन म्रावि निम्मीक्त होंगे :-

2. गठन व्यापार बोर्ड, संलग्न झनुसूची में उस्लिखित लगभग 37 सवस्यों का एक सुसंहर निकाय होगा । इसकी झझ्यक्षता विदेशी व्याजार मंत्री तथा उनकी अनुपस्थिति में विदेशी व्यापार उप-मंत्री करेंगे हैं विदेशी व्यापार मंत्रालय के सचिव इसके कार्यपालक उपाध्यज्ञ होंगे।

व्यापार की हैं के दो सचिव होंगे अर्थात् (1) संयुक्त सचिव निर्यात संबर्धन , विदेशी व्यापार मंत्रालय तथा (2) आयात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक/बोर्ड के सचिवों की, उनके कर्तव्यों के पालन में! विदेशी व्याजार बंदालय के नीति तथा आयोजना अनुभाग के प्रभारी निदेशक/उप-सचिव] द्वारा सहायता की जायेगी ।

बोर्ड के सदस्य अपने पदों पर दो वर्ष की श्रविष्ट के लिए रहेंगे जिसकी समाप्ति पर इसका पुनगँठन किया जायेगा । बोर्ड का वर्तमान कार्यकाल 31/12/1970 को समाप्त होगा ।

- 3. विचारावं विषय": वोडं मुख्यत: देश के विदेशी व्यापार के विकास से सम्बन्धित समस्याम्नों तथा नीतियों परविचार करेगा मीर समय समय पर सरकार को निम्मीक्त विषयों के विशेष संदर्भ में सिफारिशें करेगा:—
 - (1) भायात में बचत भौर निर्यात उपार्जनों के संदर्भ में उत्पादन का विस्तार ;
 - (2) विदेशी विकियों के विस्तार की दृष्टि से उत्पादों का विकास तथा अनुकूलन ;
 - (3) राज्य व्यापार निगम के विस्तार सहित निर्यात विषणन व्यवस्था तथा माध्यम में] जिसमें राज्य व्यापार का विस्तार :शामिल है: सुप्रार ; भौर
 - (4) व्यापारिक समुदात के लाभायें, विशेषतः निर्यात कार्यक्रम को व्यान में रखते हुए, वाणिष्यक सेवामों की व्यवस्था।
- 4. बोर्ड को निश्चित अवधिओं के लिए पांच से अनिधिक सवस्यों को सहयोजित करने का अधिकार होगा । बोर्ड का अध्यक्ष ऐसे अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक समझा जाये, बोर्ड की बैठ को में (विशेष रूप से) आमंत्रित कर सकता है।
- 5. वोर्ड का मुख्य कार्यालय नई विस्त्री में होगा, भीर उनकी बैठक भारत में किसी भी स्थान पर हो सकती है।

पारेश

बावेश विया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति ब्यापार बीवें के प्रध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सवस्यों, राष्ट्रपति के निजी तथा वैनिक सणिवों, प्रधान मंत्री के सविवालय, योजना धायोग, भारत सरकार के सभी पंधानयों तथा भारत की सभी राज्य सरकारों को मेजी जाए।

🖥 यह भी भादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत राजपत्न में सार्वजनिक जानकारीं के लिए प्रकाशित किया जाएं।

ू प्रमुखी

व्यापार बोर्ड के सबस्य

विदेशी न्यापार मंत्री विवेशी व्यापार उप-मंत्री सचिव, विदेशी व्यापार मंत्रालय

🖳 प्रध्यका

- उपाध्यका

— कार्य पालक उपाध्यक्ष

2. संसद सदस्य

भी पी० के० वासुदेवन नायर श्री भारं पी० संतान

 वारिएण्यिक्ट्रिंतथा(धीद्यौगिक संतान) के प्रतिविधिः पवेस

सभापति, मारतीय बाणिज्य तथा उद्योग मुखेल संब

-- श्री डी० सी० कोठारी

समापति, भारत के वाणिज्य तथा उद्योग का संयुक्त मण्डल 📳

ब्रध्यक्ष, भारतीय निर्यात संगठन संघ -- श्री पी० ए० नाइरेलवाला

प्रधान, भारतीय बैक संब , बम्बई

---[™]श्री भार० बी० शाह[™]

प्रधान, भारतीय राष्ट्रीय जहाज मालिक संघ, बम्बई

--- श्री वसन्त जै० सठ[¶]

अधान, भारत के याता एजेंटों का संब

— श्री ग्ररविश्व एत० पारिस

भ्या**नहारिक धर्य गरीवणा की** राष्ट्रीय परिवर्द के महानिदेशक

--- श्री एस० मृतस्तिगरः

लोकक्षेत्र व्यापार संगठन के प्रतिनिधि:---

पवेन

प्रध्यक्ष, राज्य व्यापार निगम

— श्रीपी० एल० टंडन

प्राच्यक्ष, खनिज तथा धातु व्यापार निगम] — श्री प्रार० ग्रार० बहला 🖥

सम्पक्ष, राष्ट्रीय श्रीकोगिक निगम

ं—- श्रीके**० ए० रा**व

5. सरकारी सदस्य

श्री बिड्ला, के॰के॰
श्री चरत राम
श्री गोयनका, झार॰ पी॰
बाजोदिया, के॰के॰
श्री किरलोस्कर, एस॰ एल॰
श्री मोदी, के॰ एन॰
श्री मोहस्मद युसफ
श्री मूलगावकर, एस॰
श्री चलेन मापिल्ले, के॰ एम॰
श्री रामाजुजम, जी
श्री राजेब एन॰ मफतलाल
श्री संतोख सिंह

भारतीय रिजर्व बैंक, बन्बई के प्रतिनिधि-पर्वेत

भारतीय रिजर्व यैक, सम्बर्द
--- श्री बी० एन० श्रदारकर

सचिव, इस्पात तथा भारी इंजीनियरी भंतासय

--- श्री आर॰ सी॰ वस

सचिव, अर्च-कार्य विभाग, विस मंत्रासय | --- डा॰ धाई॰ जी॰ पटेस

सचिव, योजना ग्रामोग --- श्री ए॰ मिश्रा

श्रपर सचिव, मंत्रासय --- श्री सी॰ एस॰ चान्नचन्द्रन

सोक उद्ययों के महानिदेशक, वित्त मंत्रालय --- श्री ए० एक० वनर्जी

सचिव

संयुक्त सिवत निर्यात संबर्धन, विदेशी व्यापार मंत्रालय (श्री ए० सी० बनर्जी) धायात-निर्यात के मुख्य नियंत्रक (श्री धार० जे० रोबेतो)।

> ए० सी० बनर्जी, संयुक्त सचिव, भारत सरकार।

